

class-IV  
पत्र-लेखन

पत्र- कक्षा में दैर्घ्यों आने का कारण बताते हुए कहा-  
अद्यापक को पत्र लिखिए।

सम्बोधः

कक्षा-अद्यापक  
सतीश चन्द्र मेमोरियल स्कूल  
चाकोद, नाशिया  
ठिनांक - 2 जुलाई, 2020

विषय- कक्षा में दैर्घ्यों आने का कारण बताते हुए कक्षा-अद्यापक को पत्र ।

महान्,

मानव जीवन है ऐसे ही "पुरा नाम"  
आपकी कक्षा तीन वर्षों का छात्र है। मैंने यह पत्र एक  
विशेष उद्देश्य के लिये है कि जब मैं विद्यालय  
के लिए दूरवाना हुआ तो जोखते में मैंने एक जगह  
पर काफी भीड़ देखा। मैं तभी वहाँ भीड़ को कारण  
जानने को पहुंचा। तभी मैंने देखा कि एक छुप्पुरी  
आदमी जड़मी दोकर जुराते में पड़े हैं। लागे कवल  
उनके देखे हैं ये कोई मी महंद के लिए आगे नहीं  
वढ़ रुदा थे। मेरे माध्यम से इन्होंने भी आइमे होनो ने  
मिलकर उस छुप्पुरी आदमी को पास के सरपताल  
में मती करवाकर, स्कूल के लिए पुण्य बद है।  
अतः हमारी कक्षा में दैर्घ्य से आने की कारण यही  
है। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप हमें कारण  
जान कर स्कूल में आने की अनुमति देना करें।

मध्यन्यवाह

आपका आशावारी छात्र

नामः

कक्षा:

विमापः

अम्बास के लिए आपवारिक पत्र का नमूना —

प्रधानाचार्य की अपके विद्यालय के पुस्तकालय  
में हिन्दी की पुस्तकों की संख्या बढ़ाने के लिए  
आवेदन करते हुए पत्र लिखो ।

सेवा में  
प्रधानाचार्य

सातशा-चन्द्र मेमारियल एक्यूल  
पाकिस्तान, लाहौर  
दिनांक - 24 मई, 2021

विषय: अपने विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की  
पुस्तकों की संख्या बढ़ाने के लिए आवेदन पत्र ।

भाईजय,  
माविनय निवास है कि मेरा नाम "अपके  
विद्यालय की कक्षा-चार, विभाग-'य' का छात्र हूँ।  
मैंने यह पत्र इस उद्देश्य से लिखा है कि हमारी  
पुस्तकालय में हिन्दी संबंधित पुस्तकें हृष्ट हिन्दी  
पत्र-पत्रिकाएँ सीमित सांख्य में उपलब्ध हैं। जिससे  
मेरी हिन्दी विषय की जातिरक्त जानकारी लेनी  
मिल पाएंगी है।

अतः आपसे निवास है कि हिन्दी अपके चार-  
सी-चार हिन्दी विषय की अन्य पुस्तकें हृष्ट पत्र-  
पत्रिकाएँ उपलब्ध कराने का संबंध करें।  
संधिवार !

आपका साक्षात्कारी छात्र

नाम -

कक्षा -

विभाग -